

अग्निकुमार पुं. (तत्.) 1. शिव के पुत्र कार्तिकेय, षडानन 2. एक अग्निवर्धक रस।

अग्निकुल पुं. (तत्.) क्षत्रियों का एक कुल या वंशविशेष, इस कुल की उत्पत्ति यज्ञकुंड से हुई मानी जाती है।

अग्निकेतु पुं. (तत्.) 1. धूम या धुआँ, अग्नि का परिचायक चिह्न अर्थात् धुआँ, टि. 'केतु' ध्वजा के अर्थ में भी प्रयुक्त होता है, अग्नि की ध्वजा उसका धूम है- अतः उसे 'अग्निकेतु' कहा जाता है।

अग्निकोण पुं. (तत्.) मान्य दस दिशाओं में से पूर्व और दक्षिण का कोना, आग्नेय कोण।

अग्निक्रिया स्त्री. (तत्.) शव-दाह, मुर्दा जलाना, दे. अग्निकर्म।

अग्निक्रीड़ा स्त्री. (तत्.) आतिशबाजी।

अग्निगर्भ वि. (तत्.) जिसके गर्भ में अग्नि हो पुं.
1. ज्वालामुखी (पर्वत) 2. सूर्यकांत मणि।

अग्निगर्भा स्त्री. (तत्.) 1. महाज्योतिष्मती 2. पृथ्वी 3. शमीवृक्ष।

अग्निचक्र पुं. (तत्.) आग का चक्र या गोलपिंड योग. नाभितल में स्थित मूलाधार चक्र जिसे योगी ध्यान द्वारा जागृत करते हैं।

अग्निचय पुं. (तत्.) (यज्ञ हेतु) मंत्र द्वारा अग्नि की स्थापना (अग्निस्थापन) या अग्न्याधान।

अग्निचयन पुं. (तत्.) दे. अग्निचय।

अग्निचिति पुं. (तत्.) दे. अग्निचय।

अग्निज वि. (तत्.) अग्नि से उत्पन्न, पुं (तत्.) 1. कार्तिकेय 2. विष्णु 3. सोना।

अग्निजन्मा पुं. (तत्.) वि. 1. अग्नि से उत्पन्न व्यक्ति या वस्तु, शिव-पार्वती का बेटा कार्तिकेय 2. सोना (स्वर्ण)

अग्निजात पुं. (तत्.) दे. अग्निजन्मा।

अग्निजिह्वा स्त्री. (तत्.) 1. आग की लपट 2. मुंडकोपनिषद् के अनुसार अग्निदेव की सात जीभें

हैं काली, कराली, मनोजवा, सुलोहिता, धूमवर्णा, उग्रा और प्रदीप्ता 3. लांगली वृक्ष।

अग्निजीवी पुं. (तत्.) आग से संबंधित काम से जीविका अर्जित करने वाला व्यक्ति।

अग्निज्वाला स्त्री. (तत्.) आग की लौ या लपट।

अग्नितेजा वि. (तत्.) आग के समान तेज या शक्ति वाला।

अग्नित्रय पुं. (तत्.) तीन प्रकार की अग्नि जैसे- गार्हपत्य अग्नि, आहवनीय अग्नि, दक्षिणाग्नि टि. वैदिक कर्मकांड में इन तीन अग्नियों का वर्णन आता है। प्रथम 'गार्हपत्य' अग्नि है जिसमें गृहस्वामी का कर्तव्य होता है कि वह अपने दायित्व की पूर्ति हेतु 'गार्हपत्याग्नि' सदा बनाए रखे। 'आहवनीय अग्नि' वह है जो यज्ञ मंडप में पूर्व दिशा में स्थापित की जाती है। दक्षिणाग्नि वह है जो यज्ञमंडप में दक्षिण दिशा में स्थापित की जाती है।

अग्निदग्ध वि. (तत्.) 1. आग से जला हुआ। 2. शव जो चिता में जलाया गया हो।

अग्निदाता पुं. (तत्.) 1. मृत व्यक्ति के शव में अग्नि देने वाला, अंत्येष्टिकर्ता।

अग्निदान पुं. (तत्.) चिता में अग्नि लगाने का कार्य।

अग्निदाह पुं. (तत्.) 1. आग में जलाने का कार्य, आग में भस्म करने का कार्य 2. शवदाह, मुर्दा जलाने की क्रिया।

अग्निदिव्य पुं. (तत्.) अग्नि-शपथ या अग्नि परीक्षा।

अग्निदीपक वि. (तत्.) जठराग्नि को उत्तेजित करने वाला, पाचनशक्तिवर्धक।

अग्निदीपन पुं. (तत्.) जठराग्नि का उत्तेजन, पाचनशक्ति में बढ़ोतरी, अच्छी भूख।

अग्निदेव पुं. (तत्.) अग्नि देवता, अग्नि।

अग्निपंथी वि. (तत्.) अग्नि की ओर दग्ध होने के लिए जाने वाला, पुं. शलभ या पतंगा।